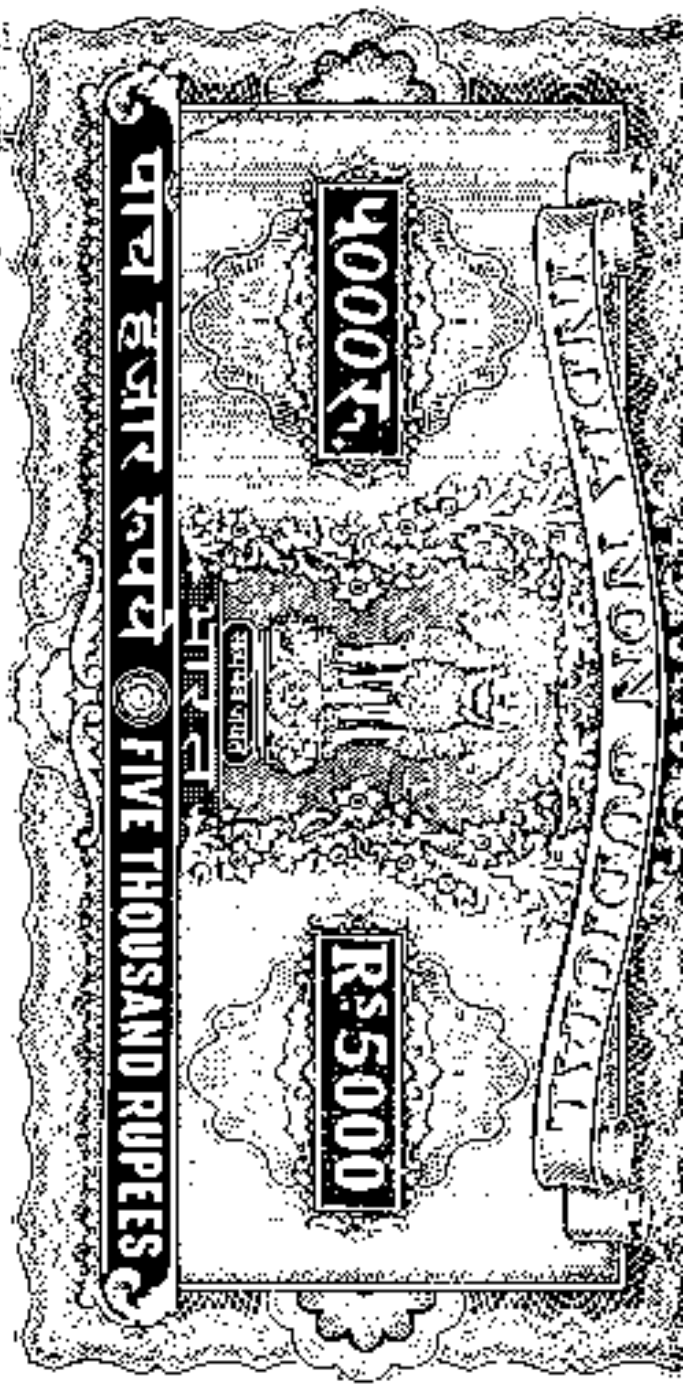




र 34690

विक्रय पत्र

विक्रय पत्र अंकन : 3,94,250 / रुपये
स्टाम्प पेपर अंकन : 38,500 रुपये

मैं कि राधेन्द्र पुत्र श्री श्रीर निवन्सी ग्राम दुरवाई परगना जयना तहसील व जिला
गाजियाबाद (फरीक अवल, विवेका)

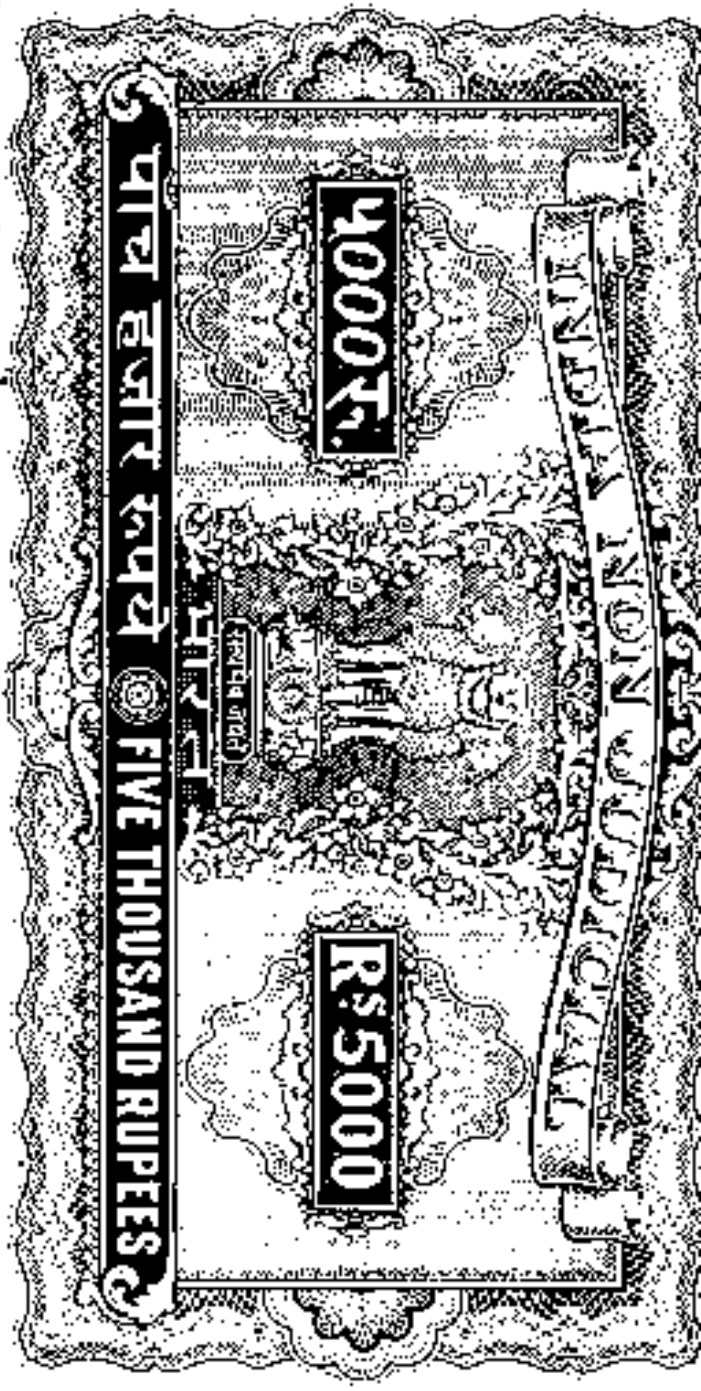
श्रीरस गुणिभार्क इन्कॉटेकॉलोजी प्रा० लि० पंजीकृत कार्यालय मदर्स फार्म 6, मैन
मीडोज सातवरी, दिल्ली - 30, द्वारा श्री साकेश उषल पुत्र श्री गुजमोहन उषल, ए- 334 शिवालिक
नई दिल्ली अधिक्षा बरवावरी द्वितीय पदा (फरीक दोयम क्रमां)

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth Signature

Tejendra Singh





₹ : Five Thousand

विक्रीत भूमि का विवरण

(2)

34691

(1) स्थित ग्राम नायकल परगना डालसां ताहसील य जिला गाजियाबाद (उप्रप्र), कृषि भूमि खार नं० 211 के खसरा नं० 115 रकबई 0.1900 हैक्टेयर का 1/2 भाग अर्थात् 0.095 हैक्टेयर खतौनी 1410 ता 1415 फसली जिसका फरीक अवल (विकेता) पूर्णतया स्वामी य विक्रयअधिकारी, संक्रमणीय भूमिधर 'दर्ज भालकाजात है, आ बैनामा क्षाजा में विधाय किया गया । विक्रीत भूमि मुझ फरीक अवल (विकेता) की पतुक भूमि है जिसके मुझ फरीक अवल से पहले मेरे पिता स्व० श्री भैया पुत्र स्व० श्री रघुबीर सिंह मातृक थे ।

(2) विक्रीत भूमि कृषि भूमि है । जो किसी भी मुख्य मार्ग अथवा लोक मार्ग पर स्थित नहीं है । भूमि मुख्य मार्ग से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है तथा संक्रमणीय भूमिधरी की भूमि है । जिसका सरकारी सर्किल रेट 7,41,341/- रुपये प्रति हैक्टेयर है लेकिन इस विक्रय पत्र में सर्किल रेट के दोगुने से अधिक ₹० 41,50,000/- रुपये प्रति हैक्टेयर की दर से अकन 3,94,250/- रुपये (तीन लाख चौरानवे हजार दो सौ पचास ₹० मात्र) मूल्य पर सरकारी स्टाम्प अदा किया गया है ।

For Unique & Info Technology Pvt Ltd.

Auth Signatory

Legend & Stamp

Ch. No. 29/1
GHA 212/1



2000

15 MAY 2006

[illegible]
$$A_1 = \frac{1}{2} \left(\frac{1}{\sin \theta} + \frac{1}{\sin \phi} \right) \sin \theta \sin \phi$$

.....

Yfshh'kai h' fr un. jw'edw'

रक्षा विभाग

444 235

श्रीमन्महाभारतस्य

Abstract

[illegible]

23

57

100

ਗਿਆਨ ਦੇ

67423

सर्व विद्यायाः प्रधान

Doc 151

25

~~Dr. M. H. H.~~

Alfred Hussar

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

Religion: Catholic
 Sex: Male
 Age: 31



134692

(3)

(3) विक्रेता अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से नहीं है। विक्रेता ने श्रीमान् तहसीलदार महोदय से यह प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया है कि वह अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति से नहीं है।

(4) विक्रीत भूमि ग्राम समाज, भूदान, वक्फ, पट्टे आदि की भूमि नहीं है और न ही निष्क्रान्ति व शत्रु संपत्ति है और न ही इस पर कोई किसी प्रकार का बियाद है इस सम्बन्ध में विक्रेता ने श्रीमान् तहसीलदार महोदय से प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया है। तथा विक्रीत भूमि किसी भी सरकारी अथवा अर्द्ध सरकारी कार्य हेतु अधिग्रहण के लिये अधिसूचित नहीं की गयी है।

(5) विक्रीत भूमि कृषि भूमि है जिसके विक्रय में स्टाम्प अधिनियम की धारा 27(1) का सत्यतापूर्वक अनुपालन किया गया है।

(6) विक्रीत भूमि खाता नं० 211 के खसरा नं० 115 रकबई 0.1900 हैक्टेयर का 1/2 भाग अर्थात् 0.095 हैक्टेयर, स्थित ग्राम नाथफल धरगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद को आज इस विक्रय पत्र के द्वारा विक्रय किया जा रहा है। अब विक्रीत भूमि उक्त में विक्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण व वारिष्ठान का कोई भाग व कुरा शेष नहीं रहा है।

राजेश

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth Signatory

29/4/22

2022

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५

सं. ५ दि. ५





r34851

(4)

(7) विक्रेता ने विक्रीत भूमि का प्रमाणित खसरा, खतौनी, य नक्शा व अपना जाति प्रमाण पत्र, पहचान पत्र व विक्रीत भूमि से संबंधित बारह साला प्रमाण पत्र भी विक्रय पत्र के साथ संलग्न किया है।

(9) विक्रीत भूमि उक्त आज दिन तक मुझ फरीक अव्वल (विक्रेता) की ओर से हर प्रकार के बन्धक भार व सरकारी देनदारी आदि से मुक्त है कही अन्य जगह आड, रहन, बय, हिबे, महायदाबय व जमानत सरकारी व अर्द्ध सरकारी व निजी रूप आदि में ग्रस्त नहीं है।

(10) विक्रीत भूमि उक्त पर कोई बैंक ऋण व बिजली या अन्य किसी प्रकार का उधूज भी नहीं है। इस विक्रय भूमि से संबंधित किसी भी प्रकार का विवाद-ग्रस्त मामला किसी भी मान्य न्यायालय व सरकारी व अर्द्धसरकारी विभाग/कार्यालय में न तो दर्ज है और न ही लम्बित है। और न ही किसी निर्णीत आदेश का क्रियान्वन ही लम्बित है।

(11) विक्रीत मिल्कियत उक्त के विक्रय मे कोई दोष व त्रुटि नहीं है हर प्रकार के वाद विवाद से मुक्त है उपरोक्त वर्णित /उल्लिखित भूमि के संबंध मे मुझ विक्रेता ने किसी अन्य व्यक्ति, कम्पनी आदि के हक में कोई मौखिक करार, बरीयतनामा य विक्रय अनुबंध-पत्र, विक्रय पत्र, किसी भी कार्यालय में पंजीकृत व अपंजीकृत, पूर्व में न तो निष्पादित किया है और न ही कराया है तथा

राजेश

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth. Signatory

रुग्ण्य प्रार्थ कराने हा गाळे:.....

ब्रह्मणो यज्ञस्य सोमायः ॥ १ ॥

रहस्य सं. ५००१

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

5000/-
 दिनांक ०१/०८/२००६
 ३०/०८/२००६
 ३१/०८/२००६
 ३१/०८/२००६





P34852

(5)

न ही नोटरी द्वारा सत्यापित हुआ है। यदि भविष्य में इस संकष में कोई भी वसीयतनामा, विक्रय अनुबंध/विक्रय पत्र प्रस्तुत करके विवाद उत्पन्न किया जाता है तो वह विवाद अमान्य व निष्प्रभावी होगा। तथा इसके जिम्मेदार फरीक अव्वल व उनके वारिसान होंगे।

(12) मुझ विक्रेता को विक्रय पत्र में वर्णित उक्त खाता नं० 211 खसरा नं० 115 स्थित ग्राम नायफल परगना खसना तहसील व जिला गाजियाबाद के अपने हिस्से के पूर्य भाग को बेचने का स्वतन्त्र अधिकार पूर्णतः प्राप्त है। मुझ विक्रेता को वास्ते तरक्की कास्ता एंव अन्य निजी आव धकता हेतु पैसों की आवश्यकता है तथा मुझे अपनी उक्त भूमि की उचित कीमत क्रेता से मिल रही है। अतः मुझ विक्रेता ने अपनी खुशी से बिना किसी दबाव व धमकाव के, बरजामंदी, शुद्ध बुद्धि व स्वस्थ इन्द्रियों की दशा में अपने पारिवारिक सहमति से मय समस्त अधिकार मालिकाना, काबिजाना, दाखिली-खारिजी, कास्ता बराई, हर किस्म कब्जा गर्ज के जो कुछ भी अधिकार मुझ विक्रेता को विक्रीत भूमि से प्राप्त थे उससे कुछ बचा हुआ नहीं रहा है आदि आदि को आज की तारीख में विक्रय धनराशी अंकन 3,94,260 रुपये (तीन लाख चौरानबे हजार दो सौ पचास रुपये मात्र) जिसके आधे अंकन 1,97,125/- (एक लाख सतानबे हजार एक सौ पच्चीस) रुपये होते हैं के एवज में डाक फरीक दोयम क्रेता उपरोक्त मैसर्स युनिमार्क इन्फोटेक्नोलोजी प्रा० लि० पंजीकृत कार्यालय मदर्स फार्म 8, ग्रीन गीरोज सतबरी, दिल्ली-80, द्वारा श्री राकेश उप्पल पुत्र श्री बृजमोहन उप्पल, ए- 334 सियालिक नई दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरी द्वितीय पक्ष को बंध कर दिया है यानि

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth Signatory

स्टाम्प प्रत्येक प्रकरण के प्रयोग के लिए.....

स्टाम्प प्रत्येक प्रकरण के प्रयोग के लिए.....

स्टाम्प की संख्या 5000/.....

विभाग प्रमुख स्टाम्प विभाग
राज्य प्रमुख प्रमुख 31 7
राज्य प्रमुख प्रमुख 31 7 2008
राज्य प्रमुख प्रमुख, राजस्थान





134853

(6)

कतई बेच दिया है और भूमि की कुल विक्रय धनराशी मुझ विक्रेता ने क्रेता से प्राप्त कर लिया है।
अब कुछ भी विक्रय धनराशि बाकी नहीं रही है।

(13) विक्रय भूमि का कब्जा मौके पर क्रेता का पूर्ण वास्तविक रूप से करा दिया है जिसके क्रेता पूर्णतः मालिक का बिज दखिल बन गये हैं उनको सर्वथा अधिकार है कि वह उक्त भूमि को जिस प्रकार चाहे बहसियत मालकाना प्रयोग में लावें।

रजिस्ट्रार

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth. Signatory

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

٥٥٠/٥

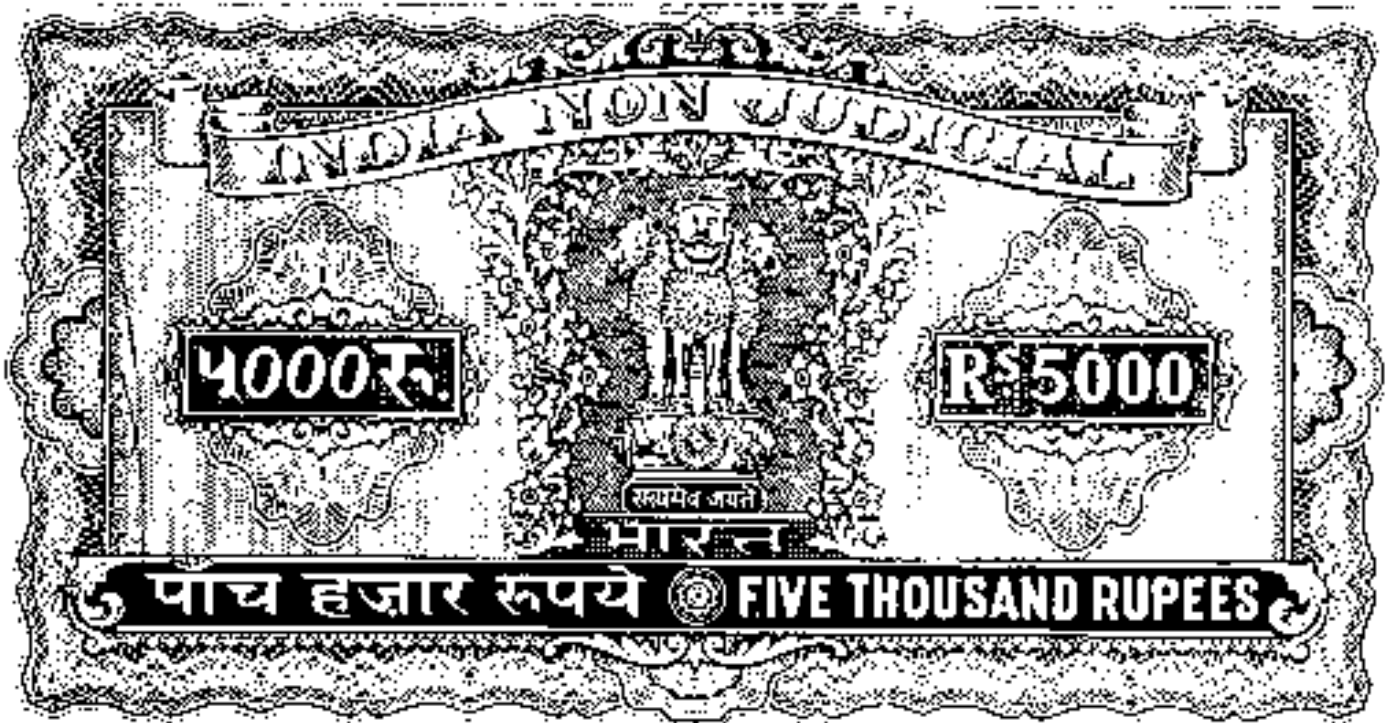
वि. सं. १९५५ सन्मध्य विहरेता

४४ अ. १०. ५५८५४ ३०७

पुनः ३१ मार्च २००६

સિદ્ધાંતિત નિર્ણયો, આદેશો અને





135816

(7)

(14) विक्रेता, विक्रीत भूमि के बाबत समस्त कागजात में बजरिये बैनामा दाखिल थारिज मालकागजात में कराकर क्रेता का नाम दर्ज करवायेगा या वो स्वयं दर्ज करवा सकते हैं तथा आव. एक प्रपत्रों पर जहाँ चाहे हस्ताक्षर मुझ फरीक अखिल से करा सकते हैं, मुझ फरीक अखिल को कोई एतराज नहीं होगा।

(15) अतः अब विक्रय पश्चात विक्रीत भूमि की मिल्कियत भूमि में निहित हित व उराके मूल्य धन तथा किसी अंश से विक्रेता व वारिसान विक्रेता का, अब कोई संबध बाकी नहीं रहा और न कभी रहेगा।

रु. 5000
17

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth. Signatory

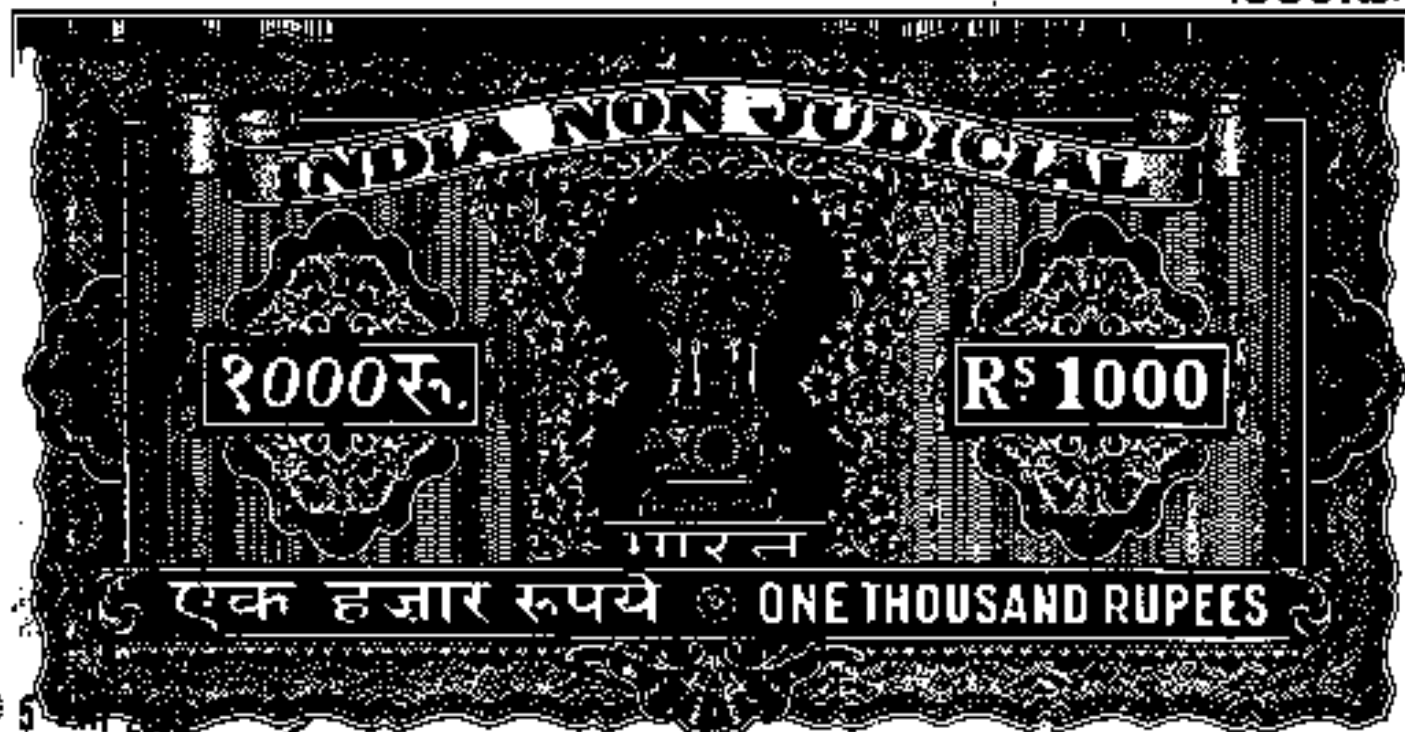
.....
.....
.....

.....
.....
.....

.....
.....
.....
.....
.....

.....
.....
.....
.....





631113

(8)

(18) विक्रीत भूमि पर आज दिन तक फरीक अव्वल/विक्रेता की ओर कोई भार निकला और निकला हुआ भार क्रेता या स्थानापन को अपने पास से अदा करना पड़ा अथवा विक्रेता के अनाधिकार से या वारिसान विक्रेता की दायेदारी या किसी कानूनी नुक्स आदि से विक्रय भूमि कुल अथवा उसका कोई अंश क्रेता या उसके वारिसान या स्थानापन के कब्जे बालकाना से निकल जाये, तो हर ऐसी दशा के उत्पन्न होने पर फरीक अव्वल/ विक्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण पूर्ण रूपसे जिम्मेदार होंगे तथा क्रेता व उसके स्थानापन व उत्तराधिकारीगणों को पूर्ण अधिकार होगा कि अपने पास से अदा किये गये भार की तथा कब्जे से निकल जाने वाली भूमि की धनराशी को भय हर्जे खर्चे प्रथम पक्ष विक्रेता व विक्रेता वारिसान की चल व अचल सम्पत्ति से जिस प्रकार चाहे वसूल करा सकते हैं जिस पर फरीक अव्वल/विक्रेता को कोई आपत्ति नहीं होगी।

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth. Signatory

रजिस्ट्रार

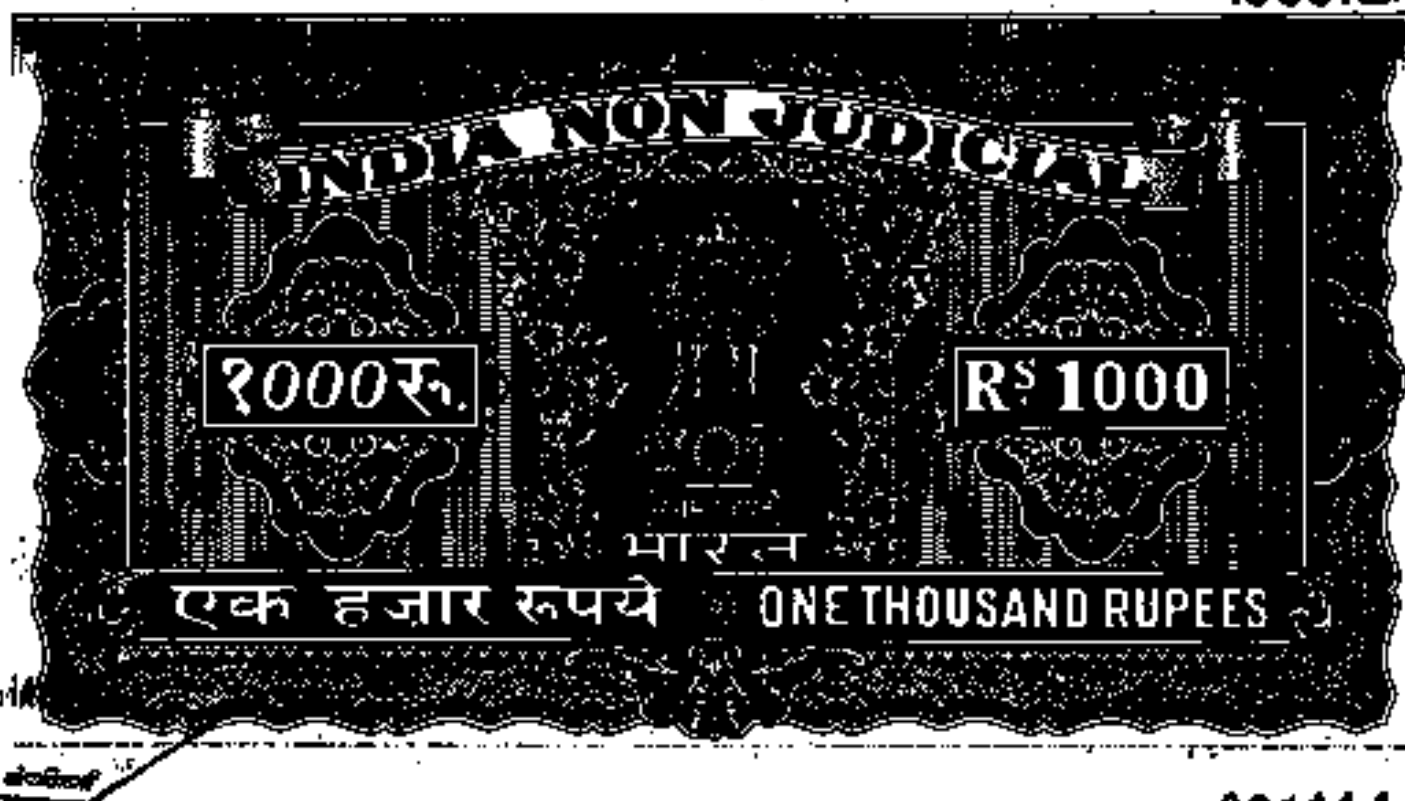
.....
स्टाम्प केता का नाम व पूरा पता: 24/11/2024

.....
स्टाम्प की घनराशि: 10000

राजकुमार गुप्ता
लाईसेंस नं. 26
लाईसेंस की अवधि 1
नं. 26 का लॉकर नं. 26
.....



1000Rs.



631114

(B)

(1970) यह कि फरीक अव्वल ने विक्रीत भूमि के स्वामित्व से संबंधित सभी मूल दस्तावेज (मूल केनामा पूर्ण अखला, दान पत्र, वसीयत, मूल पट्टा, व न्यायालय के आदेश की प्रमाणित प्रति आदि) जो विक्रेता के पास संपलब्ध है, उन्हें खेता को, सौंप दिया है।

For: Indmark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth. Signature

रजिस्ट्रार

उत्तर प्रदेश का नाम है *उत्तर प्रदेश*

राज्य की राजधानी *लखनऊ*

राजधानी का नाम *लखनऊ*

राजधानी की स्थिति *लखनऊ*

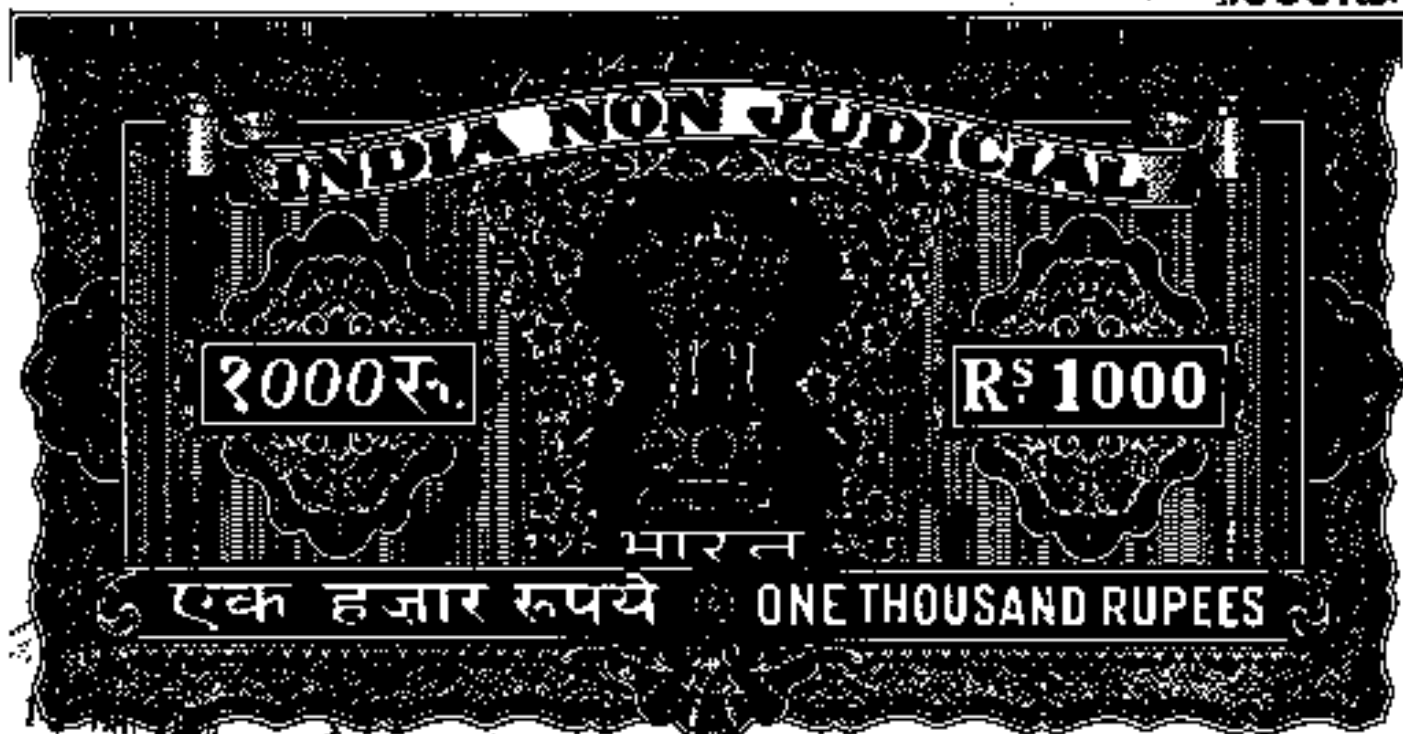
राजधानी का क्षेत्रफल *लखनऊ*

राजधानी की जनसंख्या *लखनऊ*

राजधानी का नाम



1000Rs.



631115

- (10)
- (18) विक्रय पत्र का समस्त खर्चा क्रेता ने वहन किया है।
- (19) अतः यह विक्रय पत्र खूब सोच समझ कर, सुनकर पढ़ कर गवाहों की उपस्थिति में लिख दिया गया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवे।

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth. Signatory

रजिस्ट्रार

सदस्य का नाम व पता 22/11/2020

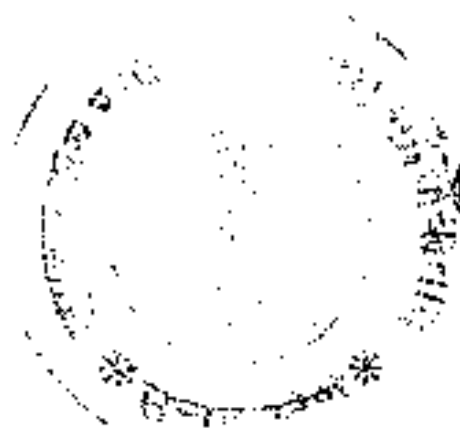
सदस्य की धनपत्रि 1000

राजकुमार गुप्ता जिला

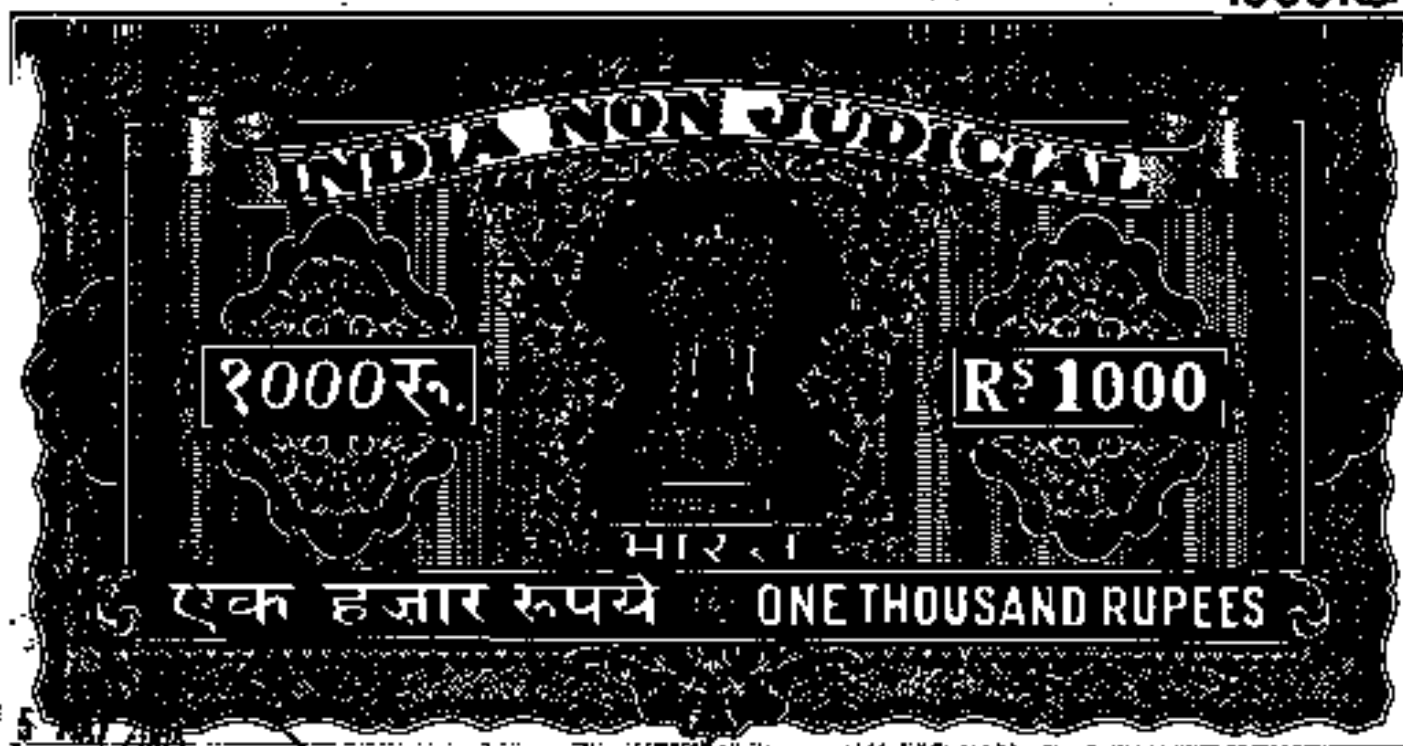
दनाईसैय 12

दनाईसैय की अवधि 31/12/2020

संख्या 20 20 2020



1000Rs.



631116

(11)

(20) विक्रेता ने विक्रीत भूमि रकबाई 0.0025 हेक्टेयर, खाला नं० 211 खसरा नं० 116 स्थित ग्राम नायकल परगना सासना तहसील व जिला मजियाबाद के निमित्त निम्न विवरण के अनुसार विक्रय वनराशी प्राप्त कर ली है:-

For Daimark Info Technology Pvt. Ltd.

रजिस्ट्रार

Auth Signatory

संख्या ११६ का नाम व गुण वगैरे २२/११/१९८०

.....

१०/११/८० दि. १०/११/८०

१. ११/११/८० दि. ११/११/८०

२. ११/११/८० दि. ११/११/८०

३. ११/११/८० दि. ११/११/८०

४. ११/११/८० दि. ११/११/८०



15 MAY 2006

सं. क्रमांक : 277/2002

दिनांक : 15 मई 2006

स्थान : दिल्ली

विषय : ...

...

...

...

...

श्री नं. 1 जिला नं. 6622 95 6305
को उक्त विषयक 5/5/06 को ...

सं. 10 मई

...



21/5/25

12/10/20

Shri Mr. K. S. Kulkarni
Certificate given particulars of register
respect of the under mentioned
donation 21 Aug 74 of 115/-

I have certify that search has been made in book I and in the annexed relating have to from the year 1928 to the year 1930 for fact and encumbrances efficient the said property and that on such the following facts and encumbrances *Ar. 200/1*

documents	2	1	1
documents of the 1950s	1	1	1

(Dignatuto)

Signature of Registrar

Date: 4/5/06

100-443881-1

1. The acts and encumbrances shown in this certificate at those discovered with reference to the described in request read documents in cannot different from law in which the applicant has described those transaction evidenced by such documents will not be included in the certificate.
2. The required search has been made as carefully as possible by office but the department will not be held accountable itself responsible for or ors in the result of search embodied in the certificate
3. This certificate does not include documents if any which has been presented but have been registered up to date.

लेवा है

भारतीय एटर्नेट्स लिमिटेड
भारतीय एटर्नेट्स लिमिटेड

विषय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एनओ सीओ) के सम्बन्ध में ।

महोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ माथी / माथीगण ने अपनी भूमि जिसका
खता सं 211 खता नं० 115-कवा 8-1980 स्थित ग्राम नामिका
पताना नामिका तहसील व जिला नामिका । मुझ
माथी को उपरोक्त भूमि में उपलब्ध बंधन आई टैक डेवेलपर्स प्रा० लि० को देयता है ।
इस कारण कम्पनी को ईक से अनापत्ती प्रमाण पत्र (एनओ सीओ) की आवश्यकता
है कि मुझ माथी को नुन नर कंडा खता नं० है

अतः श्राव से निवेदन है कि मुझ माथी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एनओ सीओ)
प्रदान करने की कृपा करें ।

धन्यवाद

माथी

रजिस्ट्रार

राजेश कुमार शर्मा
एनओ प्रोवाइड

No

1992

25/4/06

11.

निदेशिका

27/10/2017 14:30:00

Chen et al.

॥ १॥ अथवा ०३ (१९८० अ. १००) के संरक्षण में ।

सर्वोच्च

श्रीमान ए. के सिंह जी हैं कि मुझे २५० / बार्डिंग में अपने भूमि टिकिया
जहाँ ६.१॥ जहाँ ०.१९० बिघा मा ३५८४

डॉ. ... प्रिन्सिपल

न्यायों को उपरोक्ता भूति, ३० अप्रैल १९४८, मुद्रा ५५१०४११५ ।

[illegible]

१०० अंश के नीचे ताप को आगिनी प्रवाह से (ताप और दबाव) बनाए रखने की आवश्यकता है ।

251

342

154

२१/०५/२०२३
२०२३

$\frac{1}{\sqrt{10}} \approx 0.316$

to answer questions


 Minister

100-432177

1

4
2
2

) 37

•

•

•

•

1. *Chlorophyll a* (Chl a) and *Chlorophyll b* (Chl b) are the primary photosynthetic pigments in green plants. They are responsible for capturing light energy and converting it into chemical energy through the process of photosynthesis. Chl a is the most abundant pigment, while Chl b is present in smaller amounts. Both pigments are found in the chloroplasts of green plants.

1

1. What is the purpose of the study?
 2. What are the research questions?
 3. What are the hypotheses?

उद्धरण खतीनी

(मासकीय कार्य हेतु)

01/04

ग्राम क्रमांक : 16010208090

ग्राम का नाम : लायफाल

परगना : हासना

तहसील : गाजियाबाद

जनपद : गाजियाबाद

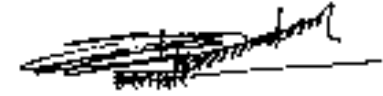
फसली वर्ष : 1410-1415

भाग : 1

खतून खतौनी क्रम संख्या	खतौदार का नाम	प्लॉट / बंसी / संरक्षक का नाम	निवास स्थान	भौतिक अधिकार प्राप्त होने का फसली वर्ष	खतौ के प्रत्येक गटे की खसरा संख्या	प्रत्येक गटे का क्षेत्रफल (हे.)	खतौदार काता क्षेत्र या लगान	परिचर्चा सम्बन्धी आज्ञा या उसका संरक्षण उनकी संख्या तथा दिनांक सहित और आज्ञा देने वाले अधिकारी का पद	टिप्पणी
				3	4	5	6	7-12	13

श्रेणी : 1-क भूमि जो संरक्षणीय भूखंडों के अधिकार में हो।

00211	सुतलेश सिंह रामपाल सिंह सतलेश सिंह राजेंद्र	स्थापना स्थापना स्थापना भौत	दुरवाई प.राधरो दुरवाई प.राधरो दुरवाई प.राधरो दुरवाई प.राधरो	पू.1386	115	0.1900	आदेशानुसार श्रीमान तहसीलदार पि.0नं० 1298/31-08-06 के आदेश हुआ कि खतौ स० 211 के खसरा नं० 115 रकबा (0.1900 या 0.655 के बकदर भाग से विक्रेता राजेंद्र पुत्र भीरा निवासी ग्राम दुरवाई परगना हासना तहसील व जिला गाजियाबाद का नाम खारिज करके केला मैसर्स युनिफार्म इन्फोटेक्नोलॉजी प्रा० लि० पंजीकृत कार्यालय मकान फ्लैट 6, ग्रैंड मॉडर्न सतबरी, दिल्ली-30 द्वारा राकेश उपल पृष्ठ बृज मोहन तपस्व ए-334, सिवालिक नई दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरी का नाम बतौर बैनामा दर्ज होवे तहसीलदार	
कुल गटे : 1					कुल क्षेत्र : 0.1900	6.55		



TO WHOM IT MAY CONCERN**LEGAL OPINION CUM SEARCH REPORT**

Dear Sir,

I have examined the documents (Khasra, Khatauni and Search Certificate) and old revenue records available regarding the property given below and on basis of documents provided by you, I have prepared a detail report in respect of the property mentioned here in below:-

Sl No	Particulars	Response		
1	Name and Address of the owner/s	Rajendra son of Bhaura resident of Village- Duniyai, Pargana, Tehsil-Daon Distt - Gwalambuddha Nagar		
2	Respective shares	1/2 share in the property		
3	Detail of the property to be acquired	Khata No 211 Khasra No 115 Area 0.190 Hect. situated at Vill-Narfat, Pargana- Dasna, Tehsil & Distt- Ghaziabad Sold Area-0.085 Hect		
4	Category of tenure holder	Tenure holder has transferable right		
5	Caste	Caste certificate is not attached		
6	(i) Charges or lien over the property by Bank etc.	According to khatauni no charges or lien found on sold property		
7	(ii) Whether NOC/No dues for transfer of land is required (from Mortgaged Bank/ Financer/Money Lender, if any)	NOC from J P Sahkari Gram Vikas Bank Ghaziabad Union Bank of India Dasna and SBI, Dasna is annexed with file		
8	Details of Register search in the office of Sub-Registrar	As per Search Certificate bearing no. 440/03 issued by Sub Registrar Ghaziabad, no encumbrance found over the property		
9	Revenue records inspected during investigation	1) C.H-45 2) Khatauni of fasli year 1386-1391 3) Khatauni of fasli year 1392-1397 4) Khatauni of fasli year 1398-1403 5) Khatauni of fasli year 1404-1409 6) Khatauni of fasli year 1410-1415		
Document	Name endorsed	Khasra No.	Khata No.	Comments/Order
CH-45	Shyama Bhaura sons of Raghbir	115	190	Recorded as Sirdar
Khatauni fasli year 1386-1391	Shyama Bhaura sons of Raghbir	115	190	Vice order passed by R.I. the name of Sukhbir Singh Rampal Singh, Satbir Singh sons of

Office at

25, Salempur House, Quiserbagh, Lucknow

Mobile No:09315266005, 09336833344, 09311558884

JURIX-PRO

Advocates

				Shyama are endorsed in place of Late Shyama as his legal heirs
Khatauni fasli year 1392-1397	Sukhbir Singh, Rampal Singh, Satbir Singh sons of Shyama and Bhaura son of Raghubir	115	148	Recorded as Bhumdhar
Khatauni fasli year 1398-1403	Sukhbir Singh, Rampal Singh, Satbir Singh sons of Shyama and Bhaura son of Raghubir	115	157	Vide order dated 2.08.92 passed by R.I. the name of Rajendra son of Bhaura is endorsed in place of Late Bhaura as his legal heirs
Khatauni fasli year 1404-1409	Sukhbir Singh, Rampal Singh, Satbir Singh sons of Shyama and Rajendra son of Bhaura	115	156	
Khatauni fasli year 1410-1415	Sukhbir Singh, Rampal Singh, Satbir Singh sons of Shyama and Rajendra son of Bhaura	115	211	Vide order dated 31.08.2006 passed by Tehsildar in case no.1298/06, in khata no. 211 the name of purchaser <i>M/s Unimark Infotechnology Pvt. Ltd.</i> is mutated in place of seller Rajendra from his share.
10	Specific comments	Seller has 1/2 Share in property and he has sold his full share of Khasra no 115		
11.	Remarks:	On the basis of the document and records available, the name of the aforesaid owner/s is endorsed in the revenue records and title chain is complete. Seller/s has/have clear, marketable and transferable rights. <i>Address of seller in sale deed and mutated khatauni is wrongly mentioned. This must be corrected.</i>		

Date :

For-JURIX-PRO

(Benkar Raman Singh)
Advocate

Office at

25, Salempor House, Qaiserbagh, Lucknow
Mobile No:09335266005, 09336873344, 09311558884